विश्व मरूस्थल प्रसार रोक दिवस कार्यक्रम

17.06.2021

वृक्षारोपण कार्यक्रम

दिनॉक 17 जून 2021 को आफरी संस्थान द्वारा कृष्णानगर, जोधपुर के दो पार्क में पौधारोपण कार्यक्रम संपादित किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बी. आर. भादू, सेवानिवृत मुख्य वन संरक्षक, द्वारा पीपल का पौधा लगाकर प्रारम्भ किया साथ ही निदेशक आफरी श्री एम. आर., बालोच, भा.व.से. एवं समस्त प्रभागाध्यक्षों एवं विस्तार प्रभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने वृक्षारोपण किया। साथ में कृष्णानगर विकास समिति के विभिन्न पदाधिकारियों एवं रहवासियों ने वृक्षारोपण कार्य किया। जिसमें विभिन्न प्रजातियों जैसे पीपल, नीम, जामुन, इमली, अमलतास, सतपर्णी, शीशम, आम, गुन्दी, चम्पा आदि के 60 पौधो को लगाया गया।

वेबिनार कार्यक्रम

भारत में लगभग 96.4 बिलियन हैक्टेयर भूमि मरूस्थलीकरण एवं अन्य कारणों से खराब हो चुकी है तथा यह हमारी खाद्य सुरक्षा के लिए एक चिन्ताजनक एवं खतरे की सूचना है, क्योंकि इससे उत्पादकता में कमी एवं आजीविका हेतु उपयुक्त नहीं हैं, यह उद्‌गार मरू प्रसार रोक दिवस 2021 पर आयोजित कार्यक्रम में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर के निदेशक श्री एम. आर. बालोच, भा.व.से. ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में व्यक्त किए। श्री बालोच ने बताया कि भारत सरकार के 2030 तक 29 बिलियन हैक्टेयर भूमि को पुनः पुनरूद्धार का लक्ष्य रखा है जिसे वृक्षारोपण करके, जल एवं मृदा संरक्षण द्वारा तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावो को कम करके हासिल किया जाएगा। उन्होने इस वर्ष की थीम रिस्टोरेशन लैण्ड रिकवरी की बिल्ड बैटर विथ हैल्थी लैण्ड अर्थात भूमि का पुनरूद्धार तथा स्वस्थ भूमि विकास पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आफरी के पूर्व निदेशक डॉ. त्रिलोक सिंह राठौड़ ने भू–क्षरण के विभिन्न कारणों पर प्रकाश डालते हुए स्थानीय प्रजातियों एवं नवीन तकनीकी के समावेश के साथ आमजन की भागीदारी द्वारा स्वस्थ एवं उपजाऊ भूमि के निर्माण पर बल दिया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता आफरी की पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रंजना आर्या ने लवणीय भूमि के पुनरूद्धार के लिए विभिन्न वृक्ष एवं झाडी प्रजातियों एवं मृदा उपचार द्वारा लवणीय भूमि के पुनरूद्धार पर तथ्यों के साथ व्याख्यान दिया। कार्यक्रम के आरम्भ में अपने स्वागत भाषण में आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डॉ. जी सिंह ने मरू प्रसार दिवस की महत्ता एवं वर्त्तमान में स्थिति पर ऑकडे प्रस्तुत करते हुए इस हेतु मिल जुलकर कार्य करने का आह्यन किया। कार्यक्रम का संचालन आफरी के विस्तार प्रभाग की प्रभागाध्यक्ष श्रीमती अनिता, भा.व.से. एवं आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. तरूण कान्त ने किया धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती अनिता ने किया।

HEALTHY LAND

ARID FOREST RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR

29 बिलियन हैक्टेयर भूमि उपजाऊ बनाने का लक्ष्य

जोधपुर@पत्रिका. भारत में लगभग 96.4 बिलियन हैक्टेयर भूमि मरूस्थलीकरण एवं अन्य कारणों से खराब हो चुकी है। यह हमारी खाद्य सुरक्षा के लिए एक चिन्ताजनक एवं खतरे की सूचना है। आफरी के निदेशक एम.आर. बालोच भावसे ने गुरुवार को मरु प्रसार रोक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भारत सरकार मृदा संरक्षण तथा ज के प्रभावों को कम हासिल किया जाएग निदेशक डॉ. त्रिलोक भू-क्षरण के विभि व्याख्या की। आफ वैज्ञानिक डॉ. रं लवणीय भूमि के व्याख्यान दिया। इस री की ओर से कृष्ण

दैनिक भास्कर

देश में 96.4 मिलियन हैक्टेर भूमि मरुस्थलीकरण या अन्य कारणों से हो चुकी खराब : ब

आफरी की ओर से दो सार्वजनिक पार्कों में पौधरोपण भी किय

• विश्व मरुस्थल प्रसार रोक दिवस पर काजरी में ऑनलाइन वेबिनार

जोधपुर | देश में करीब 96.4 मिलियन हैक्टेयर भूमि मरुस्थलीकरण या अन्य कारणों से खराब हो चुकी है और यह स्थिति खाद्य सुरक्षा के लिए चिंताजनक है। इसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी व अन्य परिणाम आजीविका के लिए उपयुक्त नहीं है। ये बात गुरुवार को विश्व मरु प्रसार

की पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानि
आर्या ने शोध कार्यों
बताया। आफरी के डॉ.
स्वागत उद्बोधन दिय
विस्तार विभाग प्रभागा
व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ
ने किया। आफरी प्रवक
कुमार बोहरा के अनु
की ओर से पाली रोड
में दो सार्वजनिक पार्क
सदस्यों के साथ पौधरोप
काजरी में केंद्र सरकार

आफरी में मरूस्थल प्रसार रोक दिवस मनाया

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान मे विश्व मरूस्थल प्रसार रोक दिवस मनाया : भारत में लगभग 96.4 बिलियन हैक्टेयर भूमि मरूस्थलीकरण एवं अन्य कारणों से खराब हो चुकी है तथा यह हमारी खाद्य सुरक्षा के लिए एक चिन्ताजनक एवं खतरे की सूचना है क्योंकि इससे उत्पादकता में कमी एवं अन्य परिणाम आजीविका हेतु उपयुक्त नहीं हैं, यह उद्गार मरू प्रसार रोक दिवस 2021 पर आयोजित कार्यक्रम में शुष्क वन अनुसंधान संस्थान के निदेशक एमआर बालोच ने व्यक्त किए।

श्री बालोच ने बताया कि भारत सरकार ने 2030 तक 29 बिलियन हैक्टेयर भूमि को पुनः उपजाऊ बनाने का लक्ष्य रखा है जिसे वृक्षारोपण करके, जल एवं मृदा संरक्षण द्वारा तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावो को कम करके हासिल किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आफरी के पूर्व निदेशक डॉ. त्रिलोक सिंह राठौड़ ने भू क्षरण के विभिन्न कारणों पर प्रकाश डालते हुए स्थानीय प्रजातियों एवं नवीन तकनीकी के साथ आमजन की भागीदारी द्वारा स्वस्थ एवं उपजाऊ भूमि के निर्माण पर बल दिया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता आफरी की पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रंजना आर्या ने लवणीय भूमि के पुनरूद्धार पर अपने व्याख्यान में राजस्थान एवं गुजरात में किए गए शोधकार्यों की जानकारी दी।

स्वागत भाषण में आफरी के समूह समन्वयक (शोध) डा. जी सिंह ने मरू प्रसार दिवस की महत्ता एवं वर्तमान में स्थिति पर आंकडे प्रस्तुत किए। संचालन श्रीमती अनिता एवं डा. तरूण कान्त ने किया।

पौधारोपण : मरू प्रसार रोक दिवस पर आफरी द्वारा कृष्णा नगर पाली रोड में दो सार्वजनिक पार्क में कृष्णा नगर सोसायटी के सदस्यो के साथ विभिन्न प्रजातियों के 60 पौधे रोपे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सेवानिवृत मुख्य वन संरक्षक बीआर भादू ने अधिकाधिक वृक्षारोपण करने हेतु आमजन से आग्रह किया। कार्यक्रम में सहयोग डा. बिलास सिंह, धानाराम, राजेश मीणा, अनिल सिंह चौहान, श्रीमती रेखा दाधीच, सादूलराम एवं कैलाश शर्मा ने किया।